पाठ 18. मत बाँटो इनसान को

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य स्व-जागरूकता का कौशल विकसित करना है ताकि वे अपनी पसंद व नापसंद की पहचान कर सकें। हम अपने विचार, वाणी और आचरण से यदि चाहें तो संसार को एक परिवार के रूप में संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हम अपनी गलत सोच से इसे जाति, धर्म, राज्य और राष्ट्रवाद के नाम पर टुकड़ों में बाँटना चाहते हैं जो मानवता की दृष्टि से अनुचित और भ्रामक है। यह संदेश कवि इस कविता के माध्यम से देना चाहते हैं।

पाठ का सार

विनय महाजन द्वारा रचित इस भावना प्रधान गीत में जो विचार और भाव प्रकट हुए हैं वे भाव-विचार हमें एक ऐसी दुनिया के निर्माण की ओर प्रेरित करते हैं; जिसमें सब जन समान अधिकार के भाव से रह सकें और जहाँ जाति व धर्म के बँटवारे न हों।

कवि को इस बात की तकलीफ़ है कि धर्म और जाति के नाम पर जनता को टुकड़ों में बाँटकर कुछ लोग अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। समाज अमीरी और गरीबी के दो पलड़ों में बँटा हुआ है। देश की स्वतंत्रता का लाभ आम आदमी, विशेषकर गरीब आदमी, तक बहुत ही कम पहुँचा है। ज़रूरत है समाज में समानता, भाईचारे और प्यार की। यदि सबको उनकी मेहनत का एक समान फल मिलेगा तो किसी आँगन में अँधेरा नहीं होगा और किसी चेहरे पर उदासी नहीं रहेगी। आओ, मिलकर एक ऐसी ही दुनिया बनाएँ।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता को पढ़ाने से पूर्व अलग-अलग धर्मों, जातियों, और राष्ट्रों के उन महान स्त्री-पुरुषों का ज़िक्र अवश्य किया जाए जो महान विभूतियाँ संपूर्ण मानवजाति के कल्याण के लिए प्रयत्नशील रहीं। पाठ का वाचन, सस्वर, एकल भी और सामूहिक भी करवाया जा सकता है क्योंकि यह संबोधन व संकल्पगीत है। शब्दार्थ व व्याख्या सरल शब्दों में किए जाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - विराम-चिह्नों की आवश्यकता उदाहरण देकर समझाएँ। उनका महत्व भी बताएँ।

    जैसे– रोको, मत जाने दो। रोको मत, जाने दो।

    यहाँ पहला वाक्य 'रोकने' पर बल दे रहा है जबकि दूसरा वाक्य 'जाने देने' पर प्रत्येक विराम-चिह्न के उदाहरण दैनिक जीवन में होने वाले प्रयोगों से दें। वचन तथा पदबंधों के बारे में भी जानकारी दें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - कविता रचना कराते समय श्यामपट्ट पर अपना सहयोग दें। शब्दावली व भाषिक संरचना बच्चों के लिए ग्राह्य होनी चाहिए, इसका ध्यान रखें।
  - 'सभी धर्म एक समान हैं।'–इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता कक्षा या विद्यालय स्तर पर उद्धरणों के साथ बच्चों से तैयार कराई जाए।